STUDY MATERIAL

B.A.(H) PART–Ist
POLITICAL SCIENCE
PAPER–I : BASIC PRINCIPES OF POLITICAL THEORY
CH.–8 (LAW)
LECTURE NO.–20
DATE: 02/05/2020

BY: OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
LNMU, DARBHANGA

कानून
LAW

राज्य का लक्ष्य मानव कल्याण की समुचित व्यवस्था करना होता है, इसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु राज्य द्वारा निर्मित और लागू किए जाने वाले नियमों को ही कानून कहा जाता है।

कानून या विधि आँग्ल भाषा के 'LAW' का हिन्दी रूपान्तर है। 'LAW' शब्द की उत्पत्ति ट्यूटॉनिक 'LAG' (लैग) से हुई है, जिसका अर्थ होता है ऐसी वस्तु जो सदा स्थिर, स्थायी और निश्चित या सभी परिस्थितियों में समान रूप में रहे। अतः शब्द व्युत्पत्ति की दृष्टि से 'कानून' का अर्थ है 'वह जो स्वरूप बना रहे।

विभिन्न विद्वानों ने अपने-अपने ढंग से कानून को परिभाषित किया है —

(i) आस्टिन के अनुसार,

"कानून सम्प्रभु की आज्ञा है।"
'Law is the command of the sovereign.'

(ii) वुडरो विलसन के अनुसार,

"कानून स्थिति, विचार तथा स्वभाव का वह अंश है, जिसे शासक की शक्ति लागू करती है।"

Next –

Scanned with CamScanner

STUDY MATERIAL

Date: _____ Page: _____

क्रमशः

(iii) पाउण्ड के अनुसार,

" न्याय के प्रशासन में जनता तथा नियमित न्यायालयों द्वारा मान्यता प्राप्त या लागू किये गये नियमों को कानून कहते हैं।"

(IV) प्रो. सालमण्ड के अनुसार,

" कानून नियमों का वह समूह है जिसे राज्य मान्यता देता और न्याय व्यवस्था के प्रशासन में लागू करता है।"

(V) ग्रीन के अनुसार,

" अधिकारों और कर्तव्यों की उस पद्धति को कानून कहा जा सकता है, जिसे सरकार लागू करती है।"

(VI) हॉलैण्ड के अनुसार,

" आचरण के उन सामान्य नियमों को कानून कहते हैं, जो मनुष्य के बाहरी आचरण से सम्बंधित होते हैं और जिन्हें एक निश्चित सत्ता लागू करती है। यह निश्चित सत्ता राजनीतिक क्षेत्र की मानवीय सत्ताओं में सर्वोच्च होती है।"

वर्णित परिभाषाओं का अवलोकन करने पश्चात् कहा जा सकता है कि कानून वे नियम हैं जिन्हें राज्य के द्वारा बनाया जाता है या स्वीकृत किया जाता है और जिनका पालन नहीं करने पर राज्य के द्वारा दण्डित किया जाता है।

Next

Scanned with CamScanner

STUDY MATERIAL

Date: _____ Page: _____

क्रमशः

कानून के तत्व

(i) नागरिक समाज :

(ii) एक सम्प्रभुत्वपूर्ण सत्ता :

(iii) कानून का सम्बंध व्यक्ति के बाहरी आचरण से होता, उसकी आन्तरिक भावना से नहीं;

(iv) नागरिकों को कानून का अनिवार्य रूप से पालन करना होता है और कानून का उल्लंघन करने पर वे राज्य दण्ड के भागी होते हैं। इससे उचित दण्ड प्रणाली की व्यवस्था अनिवार्य।

(v) कानून ऐसे होने चाहिए, जिनका पालन न केवल दण्ड के भय से वरन् सामाजिक हित की भावना से किया जाए।

कानून के प्रकार :

विभिन्न विद्वानों ने कानूनों का वर्गीकरण विभिन्न प्रकार से किया है। कानून के प्रमुख ~~~~ प्रकार निम्नलिखित हैं—

(i) व्यक्तिगत कानून :
(Private Laws)

वैसे कानून जो व्यक्तियों के पारस्परिक सम्बंधों को नियमन करने हेतु बनाए जाते हैं।

(ii) सार्वजनिक कानून :

वैसे कानून जो व्यक्ति का सरकार या राज्य के साथ सम्बंध निश्चित करने हेतु बनाए जाते हैं।

Next

Scanned with CamScanner

STUDY MATERIAL

Date: _____ Page: _____

(III) संवैधानिक कानून :
Constitutional Laws

वैसा कानून जिसके द्वारा सरकार का ढाँचा निश्चित किया जाता है और राज्य के प्रति नागरिकों के अधिकारों तथा कर्तव्यों का विश्लेषण किया जाता है।

(IV) सामान्य कानून
(Ordinary Laws) :

वैसा कानून जो नागरिकों के दैनिक जीवन एवं आचरण को नियमित करने हेतु बनाए जाते हैं, उसे सामान्य कानून कहा जाता है।

(V) प्रशासकीय कानून
Administrative Laws :

वैसा कानून जो राज्य के सभी कर्मचारियों के अधिकारों तथा कर्तव्यों को निश्चित करने के लिए बनाए जाते हैं, उसे प्रशासकीय कानून कहते हैं।

(VI) प्रथागत कानून
(Common Laws) :

ये देश में प्रचलित रीति-रिवाजों और परम्पराओं का विकसित रूप होते हैं और न्यायालय इन्हें मान्यता देकर कानून का रूप प्रदान करते हैं।

(VII) अध्यादेश :
Ordinance :

किसी विशेष परिस्थिति का सामना करने के लिए या किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए कार्यपालिका के द्वारा एक निश्चित अवधि के लिए जो आदेश जारी किया जाता है, उसे अध्यादेश कहते हैं।

(VIII) अन्तर्राष्ट्रीय कानून :
(International Laws) :

विश्व के स्वतंत्र राष्ट्रों के पारस्परिक सम्बंध को नियमित करने वाले कानूनों को अन्तर्राष्ट्रीय कानून कहते हैं।

संभावित प्रश्न :

कानून का अर्थ एवं परिभाषा को लिखिए। कानून के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner